

भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र

प्रलिस के लयः

भारत में सरकारी नीतयों और हस्तकषेप, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और संबधति पहल ।

मेन्स के लयः

भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, चुनौतयों और संभवनारुँ ।

चर्चा में क्युँ?

भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के वर्ष 2025 तक बढकर 50 बलियन अमेरकी डुलर तक पहुँचने की उम्मीद है ।

- हेल्थकेयर/स्वास्थ्य सेवा पछिले दो वर्षों में नवाचार और प्रौद्योगिकी पर अधिक केंद्रति हो गया है और 80% स्वास्थ्य सेवा ससि्टम आने वाले पाँच वर्षों में डजिटल स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपने नविश को बढाने का लक्ष्य बना रहे हैं ।

भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र

परचयः

- स्वास्थ्य सेवाओं में असपताल, चकितिसा उपकरण, नैदानिकी परीक्षण, आउटसोरसगि, टेलीमेडसिनि, चकितिसा पर्यटन, स्वास्थ्य बीमा और चकितिसा उपकरण शामिल हैं ।
- भारत की स्वास्थ्य सेवा वतिरण प्रणाली को दो प्रमुख घटकों में वर्गीकृत किया गया है - सार्वजनिक और नजिी ।
 - सरकार (सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली) प्रमुख शहरों में सीमति माध्यमिक और तृतीयक देखभाल संस्थानों को शामिल करती है और ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों (Primary Healthcare Centres-PHC) के रूप में बुनयिादी स्वास्थ्य सुवधिरुँ प्रदान करने पर ध्यान केंद्रति करती है ।
 - नजिी क्षेत्र, महानगरों या टयिर-I और टयिर-II शहरों में अधकिंश माध्यमिक, तृतीयक और चतुर्थक देखभाल संस्थान केंद्रति है ।

बाज़ार सांख्यिकीः

- भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तीन गुना वृद्धिदरज करने की उम्मीद है, जो वर्ष 2016-22 के बीच 22% की चकरवृद्धि वार्षिक वृद्धिदर (सीएजीआर) से बढकर वर्ष 2016 में 372 अरब अमेरकी डुलर तक पहुँच जाएगी, जो वर्ष 2016 में 110 बलियन अमेरकी डुलर थी ।
- वर्ष 2022 के आर्थिक सरवेक्षण में, स्वास्थ्य सेवा पर भारत का सार्वजनिक व्यय वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद का 2.1% था, जो वर्ष 2020-21 में 1.8% और 2019-20 में 1.3% है ।
- वतितीय वर्ष 2021 में, स्वास्थ्य बीमा कंपनयों द्वारा अंडरराइट की गई सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम आय 13.3% से बढकर 58,572.46 करोड़ रुपए (USD 7.9 बलियन) हो गई ।
- 2020 में भारतीय चकितिसा पर्यटन बाज़ार का मूल्य 2.89 बलियन अमेरकी डुलर था और इसके 2026 तक 13.42 बलियन अमेरकी डुलर तक पहुँचने की उम्मीद है ।
- टेलीमेडसिनि के भी वर्ष 2025 तक 5.5 बलियन अमेरकी डुलर तक पहुँचने की उम्मीद है ।

स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ चुनौतयों:

अपर्याप्त पहुँचः

- चकितिसा पेशेवरों की कमी, गुणवत्ता आशवासन की कमी, अपर्याप्त स्वास्थ्य खर्च और सबसे महत्त्वपूर्ण अपर्याप्त शोध नधिजैसी बुनयिादी स्वास्थ्य सेवाओं तक अपर्याप्त पहुँच ।
- प्रमुख चतिाओं में से प्रशासन का अपर्याप्त वतितीय आवंटन है ।

■ कम बजट:

- स्वास्थ्य सेवा पर भारत का सार्वजनिक व्यय वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% है जबकि जापान, कनाडा और फ्रांस अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 10% सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर खर्च करते हैं।
- यहाँ तक कि बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की GDP का 3% से अधिक हिस्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का है।

■ नविकरक देखभाल की कमी:

- भारत में नविकरक देखभाल को कम करके आँका गया है, इस तथ्य के बावजूद कथिह दुख और वृत्तीय नुकसान के मामले में रोगियों के लयि वभिन्न प्रकार की कठनाइयों को कम करने में काफी फायदेमंद साबति हुआ है।

■ चकितिसा अनुसंधान की कमी:

- भारत में अनुसंधान एवं वकिसा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के नेतृत्व वाली नई परयोजनाओं पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है।

■ नीति निर्माण:

- प्रभावी और कुशल स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में नीति निर्धारण नसिंसंदेह महत्त्वपूर्ण है। भारत में मुद्दा मांग के बजाय आपूर्तिका है और नीति निर्धारण मदद कर सकता है।

■ पेशेवरों की कमी:

- भारत में, डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी है।
- एक मंत्री द्वारा संसद में प्रस्तुत कथि गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 600,000 डॉक्टरों की कमी है।

■ संसाधनों की कमी:

- डॉक्टर चरम परस्थितियों में काम करते हैं जसिमें भीड़भाड़ वाले बाहरी रोगी वभिग, अपर्याप्त स्टाफ, दवाएँ और बुनयादी ढाँचे शामिल हैं।

भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र की क्षमता:

- भारत का प्रतसिप्रधात्मक लाभ अचछी तरह से प्रशकषित चकितिसा पेशेवरों के अपने बड़े पूल में नहिति है। भारत एशया और पश्चिमी देशों में अपने साथियों की तुलना में लागत प्रतसिप्रधी भी है। भारत में सर्जरी की लागत अमेरिका या पश्चिमी यूरोप की तुलना में लगभग दसवाँ हिस्सा है।
- इस क्षेत्र में तेज़ी से वृद्धि के लयि भारत के पास सभी आवश्यक सामग्री है, जसिमें एक बड़ी आबादी, एक मजबूत फार्मा और चकितिसा आपूर्तिका शृंखला, 750 मिलियन से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्त्ता तक आसान पहुँच के साथ वशि्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप पूल और वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं को हल करने के लयि नवीन तकनीकी उद्यमी शामिल हैं।
- देश में उत्पाद वकिसा और नवाचार को बढ़ावा देने हेतु चकितिसा उपकरणों का तेज़ी से नैदानिक परीक्षण करने के लयि लगभग 50 क्लस्टर होंगे।
- जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य समस्याओं के प्रभाव में बदलाव, वरीयताओं में बदलाव, बढ़ते मध्यम वर्ग, स्वास्थ्य बीमा में वृद्धि, चकितिसा सहायता, बुनयादी ढाँचे के वकिसा और नीति समर्थन तथा प्रोत्साहन इस क्षेत्र को आगे बढ़ाएँगे।
- वर्ष 2021 तक भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र भारत के सबसे बड़े नयिकताओं में से एक है क्योंकि इसमें कुल 4.7 मिलियन लोग कार्यरत हैं। इस क्षेत्र ने वर्ष 2017-22 के बीच भारत में 2.7 मिलियन अतरिकित नौकरियाँ पैदा की हैं (प्रतिवर्ष 500,000 से अधिक नई नौकरियाँ)।

स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र से संबंधित पहल:

- [राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन](#)
- [आयुष्मान भारत](#)
- [आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना](#)
- [राष्ट्रीय चकितिसा आयोग](#)
- [प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलसिस कार्यक्रम](#)
- [जननी शशि सुरक्षा कार्यक्रम](#)
- [राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम](#)

आगे की राह

- भारत की बड़ी आबादी के कारण बोझ से दबे सरकारी अस्पतालों के बुनयादी ढाँचे में सुधार की तत्काल आवश्यकता है।
- सरकार को नज्ी अस्पतालों को प्रोत्साहति करने की आवश्यकता है, क्योंकि ये महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं।
- क्योंकि कठनाइयाँ गंभीर हैं और केवल सरकार द्वारा ही इसका समाधान नहीं किया जा सकता है, नज्ी क्षेत्र को भी इसमें शामिल होना चाहयि।
- स्वास्थ्य क्षेत्र की क्षमताओं और दकषता में सुधार के लयि अधिक चकितिसा कर्मियों को शामिल किया जाना चाहयि।
- स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाना चाहयि।
 - अस्पतालों और क्लीनिकों में चकितिसा गैजेट, मोबाइल स्वास्थ्य ऐप, पहनने योग्य और संसर तकनीक के कुछ उदाहरण हैं जिन्हें इस क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ):

प्रलिसि:

प्रश्न: नमिनलखिति में से कौन-से 'राष्ट्रीय पोषण मशिन' के उद्देश्य हैं? (2017)

1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण के बारे में जागरूकता पैदा करना ।
2. छोटे बच्चों, कशोरियों और महिलाओं में एनीमिया के मामलों को कम करना ।
3. बाजरा, मोटे अनाज और बनिा पॉलशि कयि चावल की खपत को बढ़ावा देना ।
4. पोल्ट्री अंडे की खपत को बढ़ावा देना ।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) केवल 3 और 4

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय पोषण मशिन (पोषण अभियान) महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो आँगनवाड़ी सेवाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वच्छ-भारत मशिन आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अभिसरण सुनिश्चित करता है ।
- राष्ट्रीय पोषण मशिन (एनएनएम) का लक्ष्य 2017-18 से शुरू होकर अगले तीन वर्षों के दौरान 0-6 वर्ष के बच्चों, कशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार करना है । **अतः कथन 1 सही है ।**
- एनएनएम का लक्ष्य स्टंटिंग, अल्पपोषण, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और कशोर लड़कियों के बीच) को कम करना और बच्चों के जन्म के समय कम वजन की समस्या को कम करना है । **अतः कथन 2 सही है ।**
- एनएनएम के तहत बाजरा, बनिा पॉलशि कयि चावल, मोटे अनाज और अंडों की खपत से संबंधित ऐसा कोई प्रावधान नहीं है । **अतः कथन 3 और 4 सही नहीं हैं ।**

अतः विकल्प (a) सही है ।

मेन्स:

प्रश्न. "एक कल्याणकारी राज्य की नैतिक अनिवार्यता होने के अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य संरचना सतत विकास के लिये एक आवश्यक पूर्व शर्त है" विश्लेषण कीजिये । (मेन्स-2021)

स्रोत: पी.आई.बी.